■ संपादकीय

व्यापार की हिफाजत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक के प्रमुखों ने विश्व व्यापार के संकट की ओर इशारा करते हुए अमेरिका और चीन से अपना व्यापार युद्ध जल्दी समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने अन्य देशों से भी नियम के मुताबिक कारोबार करने का अनुरोध किया है और कहा है कि ऐसा न होने पर वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरे दौर से गुजरने लगेगी। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टीन लेगार्ड ने कहा कि वह अमेरिका और चीन को ठंडे दिमाग से विचार करने की सलाह देंगी। वह कहेंगी कि दोनों मुल्क दुनिया की व्यापार प्रणाली को दुरुस्त करने में मदद करें, उसे तोड़ें नहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की शिकायतें डब्ल्यूटीओ के जरिए दूर की जा सकती हैं। लेगार्ड और विश्व बैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम ने आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना बैठक के मौके पर अलग-अलग वक्तव्यों में अपने विचार रखे। यह बैठक इंडोनेशिया के बाली द्वीप में हो रही है। विश्व की इन दोनों शीर्ष वित्तीय संस्थाओं ने अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दिख रही मनमानी की ओर दुनिया का ध्यान खींचते हुए कहा है कि आपसी तालमेल से ही विश्व व्यापार सुचारू रूप से आगे बढ़ सकता है, जिसका लाभ हर देश को मिलेगा। पिछले कुछ समय से अमेरिका और कुछ अन्य देश संरक्षणवादी नीतियां अपना रहे हैं और बाहरी सामानों की अपने यहां आवक में बाधा खड़ी कर रहे हैं। घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देने की यह नीति तात्कालिक रूप से भले ही फायदेमंद दिखे लेकिन लंबी अवधि में इससे नुकसान होना लाजमी है। दरअसल भूमंडलीकरण और उदारीकरण का मकसद ही था कि सभी देश एक-दूसरे की पूंजी और सामान के लिए अपने दरवाजे खोल दें और इस क्रम में कुछ पाने के लिए कुछ खोने को भी तैयार रहें। लेकिन अभी तो भूमंडलीकरण के मूलभूत सिद्धांतों को ही धता बताया जा रहा है। आज अमेरिका और चीन ने एक-दूसरे के प्रॉडक्ट पर भारी शुल्क लगा रखे हैं और दोनों में बाकायदा व्यापार युद्ध शुरू हो चुका है। इसका असर इन दो देशों तक ही सीमित नहीं है। भारत, तुर्की, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान और मैक्सिको को इसका सीधा नुकसान भुगतना पड़ रहा है।

ट्रेड वार को अवसर में बदले भारत

भरत झुनझुनवाला

वर्तमान में अमेरिका और चीन में चालू ट्रेड वार को लेकर मध्यधारा अर्थशास्त्रियों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि यह वैश्विक मंदी में पलट सकता है। तर्क है कि अमेरिका द्वारा स्टील, एल्यूमीनियम तथा अन्य कच्चे माल पर आयात कर बढ़ाये जाने से अमेरिकी उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ेगी। उन्हें कच्चा माल महंगा खरीदना पड़ेगा। इससे अमेरिकी उद्योग दबाव में आयेंगे। साथ-साथ चीन और भारत जैसे देशों के माल का निर्यात भी कम होगा। फलस्वरूप इनकी अर्थव्यवस्थायें डगमगायेंगी। अमेरिकी कम्पनियों को कच्चा माल उपलब्ध नहीं होगा, जिससे उन पर पुनः दबाव पड़ेगा। इस प्रकार अमेरिका, भारत और चीन, सभी देशों के उद्योग दबाव में आयेंगे। उनका आत्मविश्वास घटेगा और वे निवेश करना बन्द कर देंगे। अमेरिका विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था होने से वहां आने वाली मन्दी का वैश्विक फैलाव हो जायेगा और विश्व अर्थव्यवस्था में मन्दी छा जायेगी।

पर इसके बिल्कुल अलग परिणाम हो सकते हैं। पहला बिन्दु है कि अमेरिका द्वारा कच्चे माल पर आयात कर बढ़ाने से अमेरिका के उद्योग दबाव में आयेंगे। लेकिन कच्चे माल के साथ-साथ दूसरे उत्पादित माल पर भी अमेरिका द्वारा आयात कर बढ़ाये जा रहे हैं। मान लीजिए मैक्सिको और कनाडा से आयात होने वाली कारों पर अमेरिका ने आयात कर बढ़ा दिये। ऐसा करने से आयातित कारों का मूल्य अमेरिका में बढ़ जायेगा। अमेरिका में कारों का उत्पादन बढ़ेगा। किसी ने बताया कि बीते समय में राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि लोहे के ढले हुए माल का आयात करने के स्थान पर इनका उत्पादन अमेरिका में ही किया जाये। वे पहले चीन से ढले हुए माल का आयात करते थे। उनका धन्धा लगभग चौपट हो गया है क्योंकि ढला हुआ माल अब अमेरिका में उत्पादित होने लगा है। इसलिये आयात कर बढ़ाने से कच्चे माल का दाम अवश्य बढ़ता है लेकिन साथ-साथ अमेरिका में घरेलू उत्पादन भी बढ़ेगा जो कि अमेरिका के लिये हितकारी होगा।

दूसरा बिन्दु है कि अमेरिका द्वारा आयात कर बढ़ाने से भारत और चीन के निर्यात प्रभावित होंगे। साथ ही इनकी अर्थव्यवस्थाओं में भी मन्दी का प्रवेश होगा। यह बात सही है कि भारत और चीन के निर्यात प्रभावित होंगे। लेकिन भारत के निर्यात कम और आयात ज्यादा हैं। अतः निर्यातों में जो गिरावट होगी, उससे ज्यादा आयातों में गिरावट आयेगी। जैसे अमेरिका ने भारत से निर्यातित स्टील पर आयात कर बढ़ा दिये। उससे भारत से अमेरिका को निर्यात किये जाने वाले स्टील की मात्रा में गिरावट आयी। लेकिन साथ-साथ भारत यदि अमेरिका से आयातित अखरोट और सेब के ऊपर आयात कर बढ़ा देता है तो इनका आयात कम हो जायेगा और भारत में इनका उत्पादन बढ़ेगा।

अतः ट्रेड वार से उन देशों को लाभ होगा जो कि विदेशी निर्यात पर कम आश्रित हैं और उनको नुकसान होगा जो निर्यात पर ज्यादा आश्रित हैं। जैसे भारत के निर्यात कम और आयात ज्यादा हैं। अतः भारत के निर्यातों में जो कमी आयेगी, उससे जो नुकसान होगा, उसकी तुलना में भारत द्वारा आयातों में जो कमी आयेगी, उससे लाभ ज्यादा होगा। अतः यह आशंका निर्मूल है कि विदेश व्यापार के कम होने से सभी देशों को नुकसान होगा।

तीसरा बिन्दु है कि सभी देशों में ट्रेड वार के कारण कच्चा माल महंगा हो जायेगा। सीधे देखा जाये तो यह बात सही है। लेकिन कच्चे माल के विकल्प उपलब्ध होते हैं। जैसे यदि अमेरिका को भारत से निर्यातित एल्यूमीनियम नहीं मिलेगा तो वहां एल्यूमीनियम के दरवाजे बनाने के स्थान पर प्लास्टिक के दरवाजे बनाये जायेंगे। प्लास्टिक के दरवाजे बनाने में अमेरिका में रोजगार ज्यादा उत्पन्न होंगे। इसलिये कच्चे माल का सीधा प्रभाव नकारात्मक पड़ने के बावजूद कुल प्रभाव नकारात्मक नहीं होगा।

चौथा बिन्दु है कि ट्रेड वार के कारण सभी देशों के उद्यमियों में आत्मविश्वास की गिरावट आयेगी। इस तर्क को सीधे स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम देख रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रम्प के सत्तारूढ़ होने के बाद आयात कर बढ़ाये गये लेकिन अमेरिका की अर्थव्यवस्था की गति बढ़ी है। अमेरिकी उद्यमियों में आत्मविश्वास बढ़ा है, यह घटा नहीं है। कारण यह कि संरक्षणवाद को अपनाने से घरेलू उद्योगों को आयातों से प्रतिस्पर्धा नहीं करनी पड़ती। उन्हें बाजार में अपना माल बेचने का अवसर मिलता है। उनके द्वारा उत्पादन बढ़ता है, इसलिये ट्रेड वार के कारण देशों के उद्यमियों में आत्मविश्वास बढ़ने की सम्भावना ज्यादा है।

अंतिम पांचवां बिन्दु है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था में आयी मन्दी का वैश्विक स्तर पर फैलाव हो सकता है। लेकिन जैसा ऊपर बताया गया है कि यही संदिग्ध है कि अमेरिका में मन्दी आयेगी। इसके अलावा यदि यह फैलाव होता भी है तो यह उन देशों में होगा जो अमेरिका को किये गये निर्यातों पर पूरी तरह से निर्भर हैं। जैसे चीन द्वारा अमेरिका को निर्यात ज्यादा और आयात कम किये जाते हैं। इसलिये अमेरिका द्वारा संरक्षणवाद चीन के ऊपर प्रतिकूल प्रभाव ज्यादा पड़ेगा। तुलना में भारत द्वारा अमेरिका को निर्यात कम और वहां से आयात ज्यादा किये जाते हैं। अतः संरक्षणवाद अपनाने से भारत को लाभ होगा। हमारे निर्यातों पर कम और आयातों पर ज्यादा प्रभाव पड़ेगा। आयात कम होने से भारतीय उद्यमियों को मैदान मिलेगा।

वर्तमान में ट्रेड वार अन्त में सभी देशों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये भी लाभप्रद होगी। प्रश्न है कि फिर मुक्त व्यापार के लाभ को हम कैसे समझें? यहां दो पहलुओं को अलग-अलग समझना होगा। यह सही है कि मुक्त व्यापार से सभी देशों को लाभ होता है। जैसे भारत द्वारा निर्यातित एल्यूमीनियम अमेरिका को सस्ता उपलब्ध हो जायेगा और अमेरिका द्वारा निर्यातित अखरोट भारत को सस्ता उपलब्ध हो जायेगा लेकिन अन्तर तब पड़ता है जब वैश्विक व्यापार का जुड़ाव बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से हो जाता है। संरक्षणवाद अपनाने से बड़ी कम्पनियों को सीधे नुकसान होता है। उनका वैश्विक बाजार संकुचित होता है। तदनुसार छोटे व्यापारियों को लाभ होता है। इसलिये खुले व्यापार का सिद्धांत अपने में सही होते हुए भी जब खुले व्यापार का जुड़ाव बहुराष्ट्रीय बड़ी कम्पनियों से हो जाता है तब उसका अन्तिम प्रभाव नकारात्मक हो जाता है।

सच यह है कि वैश्वीकरण को अपनाने से बड़ी कम्पनियों को लाभ हुआ है और छोटे उद्योगों को हानि हुई है। इसलिये अमेरिका को संरक्षणवाद अपनाना पड़ा है। भारत सरकार को भी शीघ्रातिशीघ्र संरक्षणवाद को अपना कर अपने घरेलू व्यापारियों को खुला बाजार उपलब्ध कराकर प्रोत्साहन देना चाहिये।

विनू माकंड़ अंडर 19 ट्रोफी

अर्जुन तेंडुलकर का धमाल जारी अब 14 रन देकर झटके 3 विकेट

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंडुलकर के बेटे अर्जुन तेंडुलकर रंग में आने लगे हैं। हाल ही में उन्होंने गुजरात के खिलाफ घातक गेंदबाज करते हुए 30 रन देकर 5 विकेट झटके थे। अब उन्होंने असम के खिलाफ 7 ओवर में सिर्फ 14 रन देकर 3 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने दो ओवर मेडन भी किए। मुंबई और असम के बीच यह मुकाबला अंडर-19 घरेलू वनडे टूर्नमेंट वीनू मांकड़ ट्रोफी के तहत खेला गया।

अर्जुन की घातक गेंदबाजी की बदौलत उनकी टीम ने 10 विकेटों की आसान जीत दर्ज की। मुकाबले में असम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। जबरदस्त फॉर्म में चल रहे अर्जुन ने दानिश अहमद (1) को एलबीडब्ल्यू करते हुए उसकी शुरुआत खराब कर दी। इसके बाद उन्होंने अपने अपने दूसरे स्पेल में ऋषिकेश बोरा (1) और ऋतुराज विश्वास (0) को पविलियन भेजते हुए विपक्षी टीम पर दबाव बना दिया। नतीजा यह हुआ कि असम की टीम 40.4 ओवरों में सभी विकेट खोकर सिर्फ 99 रन ही बना सकी। अर्जुन के अलावा मुंबई के लिए दिव्यांश ने दो विकेट झटके। छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम ने 21.5 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 102 रन बनाकर 10 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। उसके लिए ओपनर यशस्वी ने नाबाद 56 और सुवेद ने नाबाद 41 रनों की पारी खेली। यह मुकाला सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में खेला गया। गौरतबल है कि अंडर-19 क्रिकेट में 24 सितंबर 1999 को जन्मे अर्जुन का यह आखिरी साल है। वह अगले साल 20 वर्ष के हो जाएंगे। जूनियर लेवल पर जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं उसे देखते हुए जल्द ही उनके सीनियर टीम में चुने जाने की उम्मीद है।

यूथ ओलिंपिकः प्रवीण चित्रावल को ट्रिपल जंप में कांस्य

ब्यूनस आयर्स। प्रवीण चित्रावल ने मंगलवार को यहां पुरुष ट्रिपल जंप (त्रिकूद) में कांस्य पदक जीता। यह युवा ओलिंपिक की ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत का दूसरा पदक है। प्रवीण 15.68 मीटर की दूरी पार करके दूसरे चरण की स्पर्धा में 5वें स्थान पर रहे लेकिन पहले चरण में वह 15.84 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे और इस तरह से संपूर्ण गणना में वह 31.52 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। नए प्रारूप के अनुसार युवा ओलिंपिक में ट्रैक एवं फील्ड (4 किमी. क्रॉस कंट्री को छोड़कर) फाइनल नहीं होगा। प्रत्येक स्पर्धा 2 बार आयोजित की जाएगी तथा दोनों दौर के परिणाम मिलाकर अंतिम सूची तैयार होगी।

क्यूबा के अलेसांद्रो डियाज ने कुल 34.18 मीटर के साथ स्वर्ण, जबकि नाइजीरिया के इमेनुएल ओर्टिसमेयवा ने रजत पदक जीता। भारत का युवा ओलिंपिक में ऐथलेटिक्स में यह दूसरा पदक है। सूरज पवार ने सोमवार को पुरुषों की 5000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया दौरा: उमेश यादव को टीम में देखना चाहते हैं गावसकर

नई दिल्ली। वेस्ट इंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज के हैदराबाद टेस्ट में उमेश यादव ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच में 10 विकेट लेने के बाद यादव को मैन ऑफ द मैच के खिताब से भी नवाजा गया। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम ने मेहमान टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया। भारत के लिए सीरीज में बल्ले से पृथ्वी साव और ऋषभ पंत ने प्रभावित किया।

वेस्ट इंडीज के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। यह दौरा भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होने की उम्मीद है। इस सीजन में भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड का विदेशी दौरा किया। इन दोनों की मौकों पर भारतीय टीम को टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में टीम इंडिया के सामने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। हालांकि भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर का मानना है कि टीम में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को मौका देना न सिर्फ भारतीय टीम के आक्रमण को धार देगा। गावसकर का मानना है कि उमेश यादव टीम इंडिया की बोलिंग को मजबूती दे सकते हैं।

गावसकर ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, उमेश यादव काफी समय तक भारतीय टीम से बाहर रहे। वह इंग्लैंड दौरे पर गए लेकिन उन्होंने कोई भी मैच नहीं खेला। इसके बाद जिस तरह उन्होंने रिवर्स स्विंग पर विकेट लिए वह काबिले तारीफ है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अपना दावा मजबूत किया है। यह चयनकर्ताओं के लिए सुखद चुनौती है।

गावसकर ने हालांकि कहा कि भुवनेश्वर कुमार, ईशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी अच्छी फॉर्म में हैं। ऐसे में उमेश के लिए अंतिम एकादश में जगह बना पाना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, भारत के पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में उनके लिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना भले ही आसान न हो लेकिन यादव का साथ होना कप्तान कोहली और चयनकर्ताओं का काम आसान कर देगा। यादव को हाल ही में वेस्ट इंडीज के खिलाफ 21 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज में चोटिल शार्दुल ठाकुर के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है।

खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने पैरा खिलाड़ियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली। पैरा खिलाड़ियों को देश का 'असली आइकन' बताते हुए सरकार ने हाल ही में संपन्न एशियाई पैरा खेलों के पदक विजेताओं को मंगलवार को नकद पुरस्कार प्रदान किए। स्वर्ण पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को 20 और कांस्य पदक विजेताओं को 10-10 लाख रुपये दिए गए। इस मौके पर खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, खेल सचिव राहुल भटनागर और खेल भारत (भारतीय खेल प्राधिकरण) की महानिदेशक नीलम कपूर मौजूद थीं। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने जकार्ता में हुए खेलों में 15 स्वर्ण समेत 72 पदक जीते।

खेल मंत्री राठौड़ ने कहा, 'आप लोग देश के असली आइकन हो। यह सफर आसान नहीं था, क्योंकि आप लोगों ने जीवन में काफी बाधाओं का सामना किया है। कइयों ने हार मान ली होगी, लेकिन आपने नहीं मानी। इससे आपकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। आपकी क्षमता पर कइयों ने संदेह किया होगा, जिन्हें आपने आज गलत साबित कर दिया।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के बाकी मैचों में मिल सकता है साव को मौका

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज पृथ्वी साव ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार डेब्यू किया। उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट में शतक लगाया। 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में वह मैन ऑफ द सीरीज भी रहे। हालांकि इसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले दो मैचों के लिए जब टीम इंडिया की घोषणा की गई तब साव को जगह नहीं दी गई। हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि सीरीज के बाकी के मैचों में वह उपकप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के मुताबिक कप्तान विराट कोहली, कोच रवि शास्त्री, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे और चयन समिति के बीच हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है कि अगले साल होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले टीम में कई तरह के संयोजनों को आजमाया जाएगा।

अखबार ने अपने सूत्रों के हवाले से खबर दी है, विश्व कप को नजर में रखते हुए, हमारा मुख्य ध्यान खिलाड़ियों को बदलते रहने पर है। रोटेशन के साथ ही हमारा लक्ष्य अपने मुख्य खिलाड़ियों को बचाने का है। इसलिए आप जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी को टीम से अंदर-बाहर होते देखते हैं। ये खिलाड़ी इसी वजह से नियमित रूप से नहीं खेलते हैं। जो खिलाड़ी हर प्रारूप के लिए महत्वपूर्ण हैं उनका काफी ख्याल रखा जाएगा। भविष्य में भी इसे दोहराया जाएगा।

हालांकि सीमित ओवरों में भारत के पास शिखर धवन और रोहित शर्मा के रूप में तय ओपनिंग पार्टनरशिप है ऐसे में तीसरे सलामी बल्लेबाज के लिए अभी संभावनाएं बाकी हैं। और पृथ्वी साव ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जिस तरह का प्रदर्शन किया, उन्होंने वनडे टीम में भी अपना दावा मजबूत किया है। साव ने अभी तक 22 लिस्ट ए मैच खेले हैं और इस युवा बल्लेबाज ने 938 रन बनाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत भी 42.33 है। साव ने ये रन भी काफी तेजी से बनाए हैं। उन्होंने 115.37 का रहा। इस दौरान 18 साल के इस युवा बल्लेबाज ने पांच अर्धशतक और तीन शतक लगाए हैं। इस साल जुलाई में भारत ए के इंग्लैंड दौरे पर साव मयंक अग्रवाल के बाद टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज थे।

प्रो कबड्डी लीग: बंगाल ने टाइटंस के खिलाफ हासिल की जीत

सोनीपत। बंगाल वॉरियर्स ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए यहां मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के छठे सीजन के मैच में तेलुगू टाइटंस को 30-25 से से हरा दिया। पहले हाफ में टाइटंस ने दो अंकों की बढ़त ले ली थी, लेकिन इस मामूली बढ़त को दूसरे हाफ में बनाए रख पाना उसके लिए मुश्किल साबित हुआ।

बंगाल की इस जीत में मनिंदर सिंह ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कुल 11 अंक हासिल किए जिसमें से 4 बोनस अंक तो वहीं 7 टच पॉइंट थे। टीम ने रेड से 16, टैकल से 7, ऑल आउट से दो अंक जुटाए। इसके साथ ही 5 अतिरिक्त अंक भी हासिल किए। वहीं टाइटंस के लिए कप्तान राहुल चौधरी कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। नीलेश ने 6 और डिफेंडर अबोजर मिघानी ने 5 अंक लिए। टाइटंस ने रेड से 10 अंक लिए तो वहीं टैकल से 13 अंक लिए। वह बंगाल को पूरे मैच में एक भी बार ऑल आउट नहीं कर पाई। टाइटंस ने दो अतिरिक्त अंक भी अपनी झोली में डाले। टाइटंस ने शुरुआत में बढ़त ली और पहले हाफ का अंत 14-12 के स्कोर के साथ किया। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी वह किसी तरह अपनी बढ़त को बनाए रखे हुए थी, लेकिन 28वें मिनट में मनिंदर की सफल रेड ने कहानी बदल दी। मनिंदर ने इस रेड से चार अंक लेकर बंगाल को 19-17 से आगे कर दिया।